गज़ल

जिद है के कभी हम भी तुझे मिल के रहेंगे
कुछ तेरी सुनेंगे और कुछ अपनी कहेंगे
1- माना कि तुम शहज़ोर हो और हसीन हो
कम हम भी नहीं आओगे जब आह भरेंगे
2- यह तुमको इज़ाजत है सद जुल्म करो तुम
आशिक है तो सब अपने दिलो जां पे सहेंगे
3- जब तुमको मेरी आंख नज़रबंद करेगी
तब दिल में उतारेंगे तुझे प्यार करेंगे
4- कभी मिलके जो बिछुड़ोगे परेशान रहोगे
आंखों से मेरे आंसू के दरिया से बहेंगे
5- यह अज़म है प्रकाश तेरे होके रहेंगे
मरना तो यकीनी है तेरे दर पे मरेंगे
6- गर तुम हो निगेहबान तो जरा रंजो गम नहीं
दुनियां ए बेखलूस से फिर क्यों हम डर के रहेंगे

Nijanand App